नवभारत

'मॉडर्न' शिक्षा में 50 वर्षों की अविरत यात्रा

गुरूवर्य शंकररावजी कानिटकर
संस्थापक

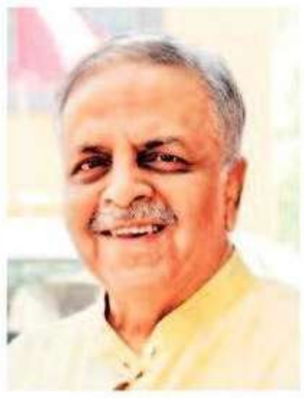

प्रा. डॉ. गजानन एकबोटे
कार्याध्यक्ष, प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी

महाराष्ट्र में शिक्षा का प्रमुख केंद्र तथा राज्य का ऑक्सफर्ड कहे जाने वाले पुणे शहर में शिक्षा के प्रसार का एक महान मिशन लेकर 'प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी' की स्थापना की गई थी. स्व. श्री. शंकरराव कानिटकर और स्व. श्री. विष्णू ताटके ने सर्वोत्तम शिक्षा का जो बीज बोया था, उसने अगले कुछ वर्षों में शिक्षा के एक कल्पवृक्ष का रूप ले लिया. इस शिक्षा संस्थान के तहत केजी से लेकर पीजी तक शिक्षा दिलाने वाले विभिन्न कॉलेज की शाखाएं विस्तारित हुई. इसी कल्पवृक्ष की उच्च शिक्षा की यह पहली शाखा 1970 में उद्घाटित हुई, जिसका नाम है 'मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्टस, साइन्स एंड कॉमर्स, शिवाजी नगर'. यह कॉलेज महाराष्ट्र के शिक्षा क्षेत्र में माइल स्टोन साबित हुआ है. जिस कॉलेज ने शिक्षा की स्वर्णीम परंपरा स्थापित की उस कॉलेज के 'स्वर्ण जयंती वर्ष' का आज समापन समारोह होने जा रहा है. छात्रों को शिक्षा के माध्यम से जीवन में एक उद्देश्य देने वाले इस कॉलेज की अब तक की यात्रा पर यह एक सरसरी नजर....

'मॉडर्न कॉलेज' की विशेष उपलब्धियाँ

* पुणे विश्वविद्यालय द्वारा सर्वोत्कृष्ट महाविद्यालय का पुरस्कार (वर्ष 2008)
* 'नैक' बेंगलुरु द्वारा 'अ' श्रेणी द्वारा रेटिंग (वर्ष 2010)
* यूजीसी (नई दिल्ली) द्वारा 'कॉलेज विथ पोटेन्शियल फॉर एक्सिलेन्स (सीपीई) स्टेटस (वर्ष 2012)
* भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नॉलॉजी द्वारा 'स्टार महाविद्यालय' का स्टेटस (वर्ष 2013)
* भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ साइन्स एंड टेक्नोलॉजी द्वारा 'DTS-FIST' पुरस्कार (वर्ष 2014)
* सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की ओर से 'सर्वोत्कृष्ट कॉलेज' (राष्ट्रीय सेवा योनजा) का पुरस्कार (वर्ष 2014)
* सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की ओर से 'सर्वोत्कृष्ट प्राचार्य'का पुरस्कार (वर्ष 2014)
* सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की ओर से 'सर्वोत्कृष्ट महाविद्यालय' (क्रीडा) पुरस्कार (वर्ष 2016)
* सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की ओर से 'सर्वोत्कृष्ट महाविद्यालय' (क्रीडा) पुरस्कार (वर्ष 2017)
* यूजीसी द्वारा 'कॉलेज विथ पोटेन्शियल फॉर एक्सिलेंस (CPE) स्टेटस (वर्ष 2017)
* नैक (बेंगलुरु) की ओर से 5.51 श्रेयांक के साथ 'अ+' श्रेणी दर्जा (वर्ष 2017)
* सामाजिक न्याय और सबलीकरण विभाग, भारत सरकार द्वारा बेस्ट 'सिम्बल वेबसाइट' का राष्ट्रीय पुरस्कार (वर्ष 2018)
* यूजीसी द्वारा B.Voc योजना के तहत 2 पाठ्यक्रमों के लिए चयन (वर्ष 2019)
* भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ साइन्स एंड टेक्नोलॉजी द्वारा DST-FIST योजना (वर्ष 2019)
* सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की ओर से सर्वोत्कृष्ट महाविद्यालय (क्रीडा) पुरस्कार (वर्ष 2019)
* यूजीसी द्वारा M. Voc योजना के तहत 'फैशन टेक्नॉलॉजी एंड एपरेल डिजायनिंग' पाठ्यक्रम के लिए चयन (वर्ष 2019)
* विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा परामर्श योजना (सेंटॉर संस्था) के तहत चयन (वर्ष 2019)
* सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय द्वारा पांचवी बार सर्वोत्कृष्ट (क्रीडा) पुरस्कार (वर्ष 2020)

'मॉडर्न' शिक्षा का माइल स्टोन

15 जून 1970 को प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी की ओर से मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्टस, साइन्स एंड कॉमर्स, शिवाजी नगर की स्थापना हुई. अपनी स्थापना से ही गुरुवर्य शंकरराव कानिटकर द्वारा दिए गए 'मॉडर्न' और 'प्रोग्रेसिव' यह दोनों ही शब्द एक प्रेरणादायी मंत्र लेकर गुरुवर्य ताटके की पहल पर इस कॉलेज की नींव रखी गई. ग्रेज्युएशन तथा पोस्ट ग्रेज्युएशन की शिक्षा दिलाने वाला प्रोग्रेसिव शिक्षा संस्थान का यह पहला कॉलेज है. इस कॉलेज की विशेषता यह है कि, कॉलेज को सरकार की ओर से मान्यता मिलने से पहले ही कॉलेज की सुसज्जित इमारत बनकर तैयार थी. इससे इस शिक्षा संस्थान के पुरोधाओं के गतिमान कार्य की हम कल्पना कर सकते है. सभी छात्रों को सर्वोत्तम और क्वालिटी शिक्षा मिलें, इसके लिए यहां पर अनुभवी और विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की गई.

समाज को शिक्षित बनाने का मिशन लेकर स्थापित इस कॉलेज के पहले शैक्षिक वर्ष यानी 1970-71 में केवल 707 छात्रों ने प्रवेश लिया था. यहां पर आने वाले सभी छात्रों का कॉलेज की ओर से विशेष ध्यान रखा गया. उन्हें शिक्षा के लिए पोषक वातावरण तथा हर तरह की मदद दी गई. यही कारण है कि, इस कॉलेज से कई ऐसे छात्र निकले जिन्होंने आगे कर अपने कर्तृत्व से विभिन्न क्षेत्रों में अपना और अपने कॉलेज का नाम रौशन किया. 1970-71 में शुरू हुए इस कॉलेज में दस वर्षों तक केवल स्नातक की शिक्षा दिलाई जाती थी, जिसमें बीएस्सी, बीकॉम तथा बीए का समावेश था. वर्ष 1979-80 से कॉलेज में इसके बाद पोस्ट ग्रेज्युएट की शिक्षा देने का कार्य यहां प्रारंभ हुआ, जोकि और भी उच्च शिक्षा अर्जित करने वाले छात्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ. इस कॉलेज के पहले दशक में ही यानी 1979-80 में उस समय के पुणे विश्वविद्यालय की मान्यता एमफील और पीएचडी के अनुसंधान केंद्र शुरू किए गए थे. यह अनुसंधान केंद्र प्राणिशास्त्र विषय का था.

विभिन्न पाठ्यक्रमों की शुरुआत

संस्था के तिसरे दशक में प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी के कार्याध्यक्ष प्रा. डॉ. गजानन एकबोटे की पहल पर पोस्ट ग्रेजुएट के विभिन्न पाठ्यक्रमों की शुरुआत की गई. इसमें नॉन ग्रैंट एमएस्सी और एमए के पाठ्यक्रमों का समावेश था. तिसरे दशक में संस्था में और भी कई अनुसंधान केंद्रों की शुरुआत की गई. संस्था में छात्रों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए डॉ. एकबोटे के मार्गदर्शन में महाविद्यालय में क्लासरुम्स की संख्या बढ़ाई गई तथा महाविद्यालय में विभिन्न सुविधाओं में बढ़ोतरी की गई. संस्था के चौथे दशक में कोर्सेस में और सुविधाओं में भी बढ़ोतरी का यही दौर कायम रहा. इस कॉलेज के शिक्षा में बेहतरीन कार्य का संज्ञान लेते हुए सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न अनुसंधान केंद्रों को मान्यता प्रदान की गई. साथ में वर्ष 2002-03 में नैक की ओर से कॉलेज का मूल्यांकन किया गया, जिसमें भी कॉलेज बेहतरीन साबित हुआ. वर्ष 2007-08 में सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की ओर से इस कॉलेज को सर्वोत्तम कॉलेज का पुरस्कार दिया गया.

डॉ. गजानन तथा ज्योत्स्ना एकबोटे का मार्गदर्शन

वर्ष 2011 से 2020 के दौरान प्रा. डॉ. गजानन एकबोटे और महाविद्यालय विकास समिति की अध्यक्ष प्रा. ज्योत्स्ना एकबोटे के अनमोल मार्गदर्शन में महाविद्यालय ने प्रगति के पंख लगाकर और उंची उड़ान भरी. बेहतरीन सुविधाएं और कोर्सेस से कॉलेज को और ज्यादा सफलता मिली. नैक द्वारा सर्वेक्षण तिसरे चक्र में कॉलेज का दर्जा और बढ़कर 'ए+' हो गया. साथ में यूजीसी की ओर से महाविद्यालय को 'स्वायत्त' दर्जा भी बहाल किया गया. वर्ष 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न यूनिवर्सिटी, आईसर पुणे, सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी और प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी के संयुक्त प्रयासों के चलते बीएस्सी ब्लेंडेड बायोसाइन्स पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई. यह आज तक कॉलेज की विशेष उपलब्धियां रही है. मात्र 707 छात्रों से शुरू हुए इस कॉलेज में बीते 50 वर्षों में काफी लम्बी छलांग लगाई है और आज स्वर्ण महोत्सवी वर्ष के समापन पर इस कॉलेज में छात्रों की संख्या 12 हजार तक पहुंच गई है.

वर्ष 2009-10 में नैक द्वारा कॉलेज को 'अ' दर्जा दिया गया. यह इस कॉलेज के लिए एक अविस्मरणीय पल था. इसके बाद तो पुरस्कारों जैसे झड़ी सी लग गई. कॉलेज दिन-ब-दिन और साल दरसाल और भी उन्नत और प्रगत होता गया.

Pune Edition
19-january-2021 Page No. 8
epaper.enavabharat.com